

तड़प-तड़प के मर जाऊंगी | By Narendra Kaushik |

ओ तड़प-तड़प के मर जाऊंगी,
मत ना मारो डर जाऊंगी।
हो दर तेरे पे बजरंग बाबा,
दर तेरे पे बजरंग बाबा,
शीश पटक के मर जाऊंगी,
तड़प-तड़प के मर जाऊंगी,
मत ना मारो डर जाऊंगी।

ओ कैसी तड़प पड़ी-पड़ी हो,
कैसी तड़प पड़ी-पड़ी,
तेरी बाट देखूं घड़ी-घड़ी हो,
बाट देखूं घड़ी-घड़ी,
आते ही दर्शन दिखा दे बाबा,
आते ही दर्शन दिखा दे बाबा,
सवा मणि तेरी कर जाऊंगी,
तड़प-तड़प के मर जाऊंगी।

बाबा बजरंग तू बलशाली,
बाबा बजरंग तू बलशाली,
भक्तों की तुमने विपदा टाली,
भक्तों की तुमने विपदा टाली,
खता करेगी तेरे दर पर,
खता करेगी तेरे दर पर,
आके मैं हँ भर जाऊंगी,
तड़प-तड़प के मर जाऊंगी।

मेघनाथ को मुक्का मारा,
मेघनाथ को मुक्का मारा,
तेरा खेल जगत में न्यारा,
तेरा खेल जगत में न्यारा,
बाबा बाबा बजरंग बाबा,
बाबा बाबा बजरंग बाबा,
नाम तेरा मैं रट जाऊंगी,
हाँ तड़प-तड़प के मर जाऊंगी।

चिंता छूटे जागर ने खासे,
चिंता छूटे जागर ने खासे,
धर्म-कर्म का तेरे नाशे,
धर्म-कर्म का तेरे नाशे,
ना आए चंद्रहास इसे,
ना आए चंद्रहास इसे,
फंदे में माँ गिर जाए,
तड़प-तड़प के मर जाऊंगी।

[%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%80-by-narendra-kaushik/](#)